

तारीख हुक्म

हुक्म या कार्यवाही का इतिहास जत
बंदागा ५१९ री-३-आरि

नम्बर व तारीख अवकाश
जो इस हुक्म की तारीख में
जारी हुए

२६/१२

पत्राकली पैदा हुई ककील डामपसुकायन
अस्थित। वधस सुनी ठर। तधवीपकर
पुधाना की रिपोर्ट रही की सामगिण
ने आपने खेत ख.नं. १३२, १३३, १३५, १३६
व १३७ के लिए काशीगठ ने ख.नं. १३७
में से कर वर्ष के रास्ता ककीगीका
रूखा है। जो रास्ते पर याहू है। ठर
जो ठर डकमाणी से ठर निवास
में प्रवेश करता है। ठर। ठर का ठर
ठाकाठमन इसी रास्ते से घेता है। वह
सामगिण को आपने खेतों में जानेने
जाने के लिए वैकिलपक साधना का ठर
सिद्ध नहीं घेता है। ठर। प्रकरण को खरि
किया जाइ। वधस, रिपोर्ट व दस्तफेज
के आधार पर सामगिण का तपना
पत्र न्यायधित में हास्वीकार कर खरि
किया जाता है। पत्राकली नम्बर से कम
घेकर तखिल दफतर है।



उपउपद अधिकारी मुद्रान
जिला मुद्रान (उप)



यपसुकार
त तमील
इरी शक्ति
भोर से
पराकायमान